राजीव नाईक
अकादेमी पुरस्कारः नाट्य लेखन

RAJEEV NAIK
Akademi Award: Playwriting

Born on 12 September 1956 in Vadodara, Gujarat, Shri Rajeev Naik has earned respect not only as a playwright and teacher, but also as a translator, editor, poet, and as a short story writer. He completed his B.A. in Philosophy and Psychology in 1976, and earned his master's degree in Linguistic Aesthetics in 1979. He earned his PhD in Linguistics in 1990 from Mumbai University. A teacher by profession, he has taught Linguistics and Aesthetics at Mumbai University, and Theatre History and Theatre Aesthetics in Pune University from 1990 to 2015.

Shri Rajeev Naik's treasure trove comprises of four volumes of plays, four translations of plays, one short-story collection, one collection of poems, apart from four books on theatre theory and one book on theatre criticism. Some of his major Marathi plays include *The Quandry* (1985, directed by Damoo Kenkre); *The Closed Eyelids* (1987, directed by Vijay Kenkre); *The Joint* (1990, directed by Ajit Bhure); *The Last Book* (1992, directed by Rakesh Sarang); *What is to be done with Mr Sathe* (1998, directed by Sandesh Kulkarni); and *Bandish* (2014, directed by Mohit Takalkar). Some of his other prominent plays are *Yam Yami Samvad*, *Manusghar*, *Anahat*, *Vandha*, *Galileo*, *Kherij*, *Mitlee Papnee*, *Magova*, *Matichya Gadyach Prakaran*, *Sandha*, *Ain Wasantat Ardhya Ratree*, *Akherach Parva*, *Apasatlya Gosthti*, and *Jatak-Natak*. His plays have been performed in many languages all over India and abroad and have been directed by senior as well as upcoming directors. Many of his plays have been translated into English by Shanta Gokhale, and into Hindi by Satyadev Dube and Sudha Shesh. Shri Rajeev Naik has participated in several seminars on theatre and literature and has contributed to many journals and magazines. He has edited nine textbooks for the Centre for Performing Arts, Savitribai Phule Pune University; and has written entries for encyclopaedias on literature, theatre and criticism.

Shri Rajeev Naik has been honoured by many institutions for his works such as the Maharashtra State Award for his short story collection in 1988; Marathi Sahitya Parishad Award for his theory work *Na Natkatla* in 2014; Marathvada Sahitya Parishad Award for his criticism titled *Lagleli Natka* in 2018 among many others.

Shri Rajeev Naik receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to Indian theatre as a playwright.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

गुजरात के वडोदरा में 12 सितंबर 1956 को जन्मे श्री राजीव नाईक ने न केवल एक नाटककार और शिक्षक के रूप में, बल्कि अनुवादक, सम्पादक, कवि और कहानीकार के रूप में भी पर्याप्त सम्मान अर्जित किया है। आपने सन् 1976 में दर्शनशास्त्र और मनोविज्ञान विषयों से स्नातक के बाद सन् 1979 में भाषिक सौन्दर्यशास्त्र में स्नातकोत्तर किया और फिर सन् 1990 में मुम्बई विश्वविद्यालय से भाषाविज्ञान में पीएच. डी. की उपाधि अर्जित की। पेशे से शिक्षक, श्री नाईक ने 1990 से 2015 तक मुम्बई विश्वविद्यालय में भाषाविज्ञान और सौंदर्यशास्त्र, और पुणे विश्वविद्यालय में रंगमंच का इतिहास और रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र जैसे विषयों की शिक्षा दी है।

श्री राजीव नाईक के रचना संसार में नाटकों के चार खण्ड, चार नाटकों के अनुवाद, एक कहानी संग्रह, एक कविता संग्रह, नाट्य सिद्धांत सम्बंधी चार पुस्तकें और नाट्य आलोचना केन्द्रित एक पुस्तक शामिल हैं। आपके कुछ प्रमुख मराठी नाटकों में द क्वान्ड्री (1985, दामू केंकरे द्वारा निर्देशित); द क्लोज्ड आईलिड्स (1987, विजय केंकरे द्वारा निर्देशित); द जॉइंट (1990, अजीत भूरे द्वारा निर्देशित); द लास्ट बुक (1992, राकेश सारंग द्वारा निर्देशित); व्हाट इज दू बी डन विद मिस्टर साठे (1998, संदेश कुलकर्णी द्वारा निर्देशित); और बंदिश (2014, मोहित टकलकर द्वारा निर्देशित) शामिल हैं। आपके कुछ अन्य प्रमुख नाटक हैं—यम यमी सम्वाद, मानुषघर, अनाहत, वंध, गैलीलियो, खेरिज, मितली पापनी, मगोवा, मटिच्या गद्यच प्रकरण, संधा, ऐन वसंतत अर्ध रात्री, अखेराच पर्व, अपसतल्य गोस्थती और जातक-नाटक। आपके नाटकों का कई भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद और प्रदर्शन हुआ है। आपके नाटक न केवल वरिष्ठ निर्देशकों बल्कि प्रतिभासम्पन्न युवा निर्देशकों द्वारा भी निर्देशित किए गए हैं। आपके नाटकों का अँग्रेजी अनुवाद शांता गोखले और हिन्दी अनुवाद सत्यदेव दुबे एवं सुधा शेष द्वारा किया गया है। श्री राजीव नाईक ने न केवल रंगमंच और साहित्य केन्द्रित गोष्ठियों में भागीदारी की है बल्कि कई पत्र-पत्रिकाओं में भी अपना योगदान दिया है। आपने सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के लिए नौ पाठ्यपुस्तकों का सम्पादन किया है; और साहित्य, रंगमंच और आलोचना पर केन्द्रित विश्वकोशों के लिए प्रविष्टि लेखन का कार्य भी किया है।

श्री राजीव नाईक को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए कई संस्थानों द्वारा सम्मानित किया गया है। उदाहरणार्थ, वर्ष 1988 में

कहानी संग्रह के लिए महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार; वर्ष 2014 में सैद्धांतिक पुस्तक ना नटकटला के लिए मराठी साहित्य परिषद पुरस्कार; आलोचना पुस्तक लागलेली नाटक के लिए वर्ष 2018 में मराठवाड़ा साहित्य परिषद पुरस्कार आदि।

भारतीय रंगमंच के क्षेत्र में नाटककार के रूप में योगदान के लिए श्री राजीव नाईक को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018